समाजशास्त्र की प्रकृति

(Nature of Sociology)

डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय

सहायक प्रोफेसर

समाजशास्त्र विभाग

जे. एस. हिन्दू (पी. जी.) कॉलेज, अमरोहा

समाजशास्त्र: परिचय

- **मानव समाज का वैज्ञानिक अध्ययन:** उत्पत्ति, संरचना, प्रकार्य तथा गतिविधियों का वैज्ञानिक अध्ययन
- 'समाजशास्त्र' अंग्रेजी के 'Sociology' का हिंदी रूपांतरण है तथा यह दो शब्दों 'Socious' (लैटिन) व 'Logos' (ग्रीक) से मिलकर बना है, जिनका अर्थ क्रमशः भाई-चारा (समाज) एवं ज्ञान (विज्ञान/शास्त्र) होता है।
- **गिंसबर्ग:** *"समाजशास्त्र व्यापक अर्थों में मानवीय अंतःक्रियाओं एवं अंतर्संबंधों, उनकी अवस्थाओं एवं परिणामों का अध्ययन है।"*
- **एलेक्स इंकेल्स** *(What is Sociology)*:
  - समाज के अध्ययन के रूप में समाजशास्त्र
  - संस्थाओं के अध्ययन के रूप में समाजशास्त्र
  - सामाजिक संबंधों के अध्ययन के रूप में समाजशास्त्र

समाजशास्त्र की प्रकृति

बॉटोमोर: *"प्राकृतिक विद्वानों और समाजशास्त्र में इतना ही अंतर है कि प्राकृतिक विज्ञान किसी तथ्य की कारण संबंधी व्याख्या करते हैं जबकि समाजशास्त्र का उद्देश्य अर्थ का विवेचन करना तथा उसे समझना है।"*

- समाजशास्त्रीय अध्ययन की प्रकृति वैज्ञानिक है, यह लंबे समय तक विवाद का विषय रहा।
- **प्रथम दृष्टिकोण:** समाजशास्त्र अन्य विज्ञानों की तरह ही एक विज्ञान है तथा इसमें समाज, सामाजिक प्रघटनाओं एवं सामाजिक पहलुओं का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है।
- **द्वितीय दृष्टिकोण:** सामाजिक घटनाओं की प्रकृति एवं सामाजिक व्यवहार इतना जटिल है कि इनका वैज्ञानिक अध्ययन संभव नहीं है। अतः समाजशास्त्र को एक विज्ञान नहीं कहा जा सकता है।

क्या समाजशास्त्र विज्ञान है?

विज्ञान क्या है?

- वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग करना
- वास्तविक तथ्यों अर्थात् 'क्या है' का वर्णन करना
- सार्वभौमिकता
- कार्य-कारण संबंधों की व्याख्या करना
- अवलोकन द्वारा तथ्यों का संग्रह करना
- तथ्यों का वर्गीकरण एवं विश्लेषण
- सत्यापनशीलता

समाजशास्त्र की प्रकृति: वैज्ञानिक

- समाजशास्त्र एक विज्ञान है।
- समाजशास्त्र वैज्ञानिक पद्धतियों का प्रयोग करता है।
- समाजशास्त्र वास्तविक घटनाओं का अध्ययन करता है।
- समाजशास्त्रीय नियम सर्वव्यापी हैं।
- समाजशास्त्रीय सिद्धांत कार्य-कारण संबंधों पर आधारित होते हैं।
- समाजशास्त्रीय सिद्धांतों की जांच संभव होती है।
- समाजशास्त्र भविष्यवाणी करता है।
- समाजशास्त्र अवलोकन द्वारा तथ्यों का संग्रहण करता है।
- समाजशास्त्र 'क्या है' का वर्णन करता है।

समाजशास्त्र की प्रकृति वैज्ञानिक होने पर आपत्तियाँ

- वैज्ञानिक तटस्थता का अभाव
- सामाजिक घटनाओं की माप असंभव
- प्रयोगशाला नहीं होती
- भविष्यवाणी का अभाव

समाजशास्त्र की वास्तविक प्रकृति

राबर्ट बीरस्टीड: *'The Social Order'*

- समाजशास्त्र एक सामाजिक विज्ञान है न कि प्राकृतिक विज्ञान।
- समाजशास्त्र एक तार्किक व अनुभवसिद्ध विज्ञान है।
- समाजशास्त्र एक सामान्य विज्ञान है न कि विशेष विज्ञान।
- समाजशास्त्र एक विशुद्ध विज्ञान है न कि व्यावहारिक विज्ञान।
- समाजशास्त्र एक अमूर्त विज्ञान है, मूर्त नहीं।
- समाजशास्त्र एक वास्तविक विज्ञान है न कि आदर्शात्मक विज्ञान।

धन्यवाद !